भारत कलकत्ता या बॉम्बे नहीं है। भारत अपने सात सौ हज़ार गाँवों में बसता है।
-महात्मा गांधी

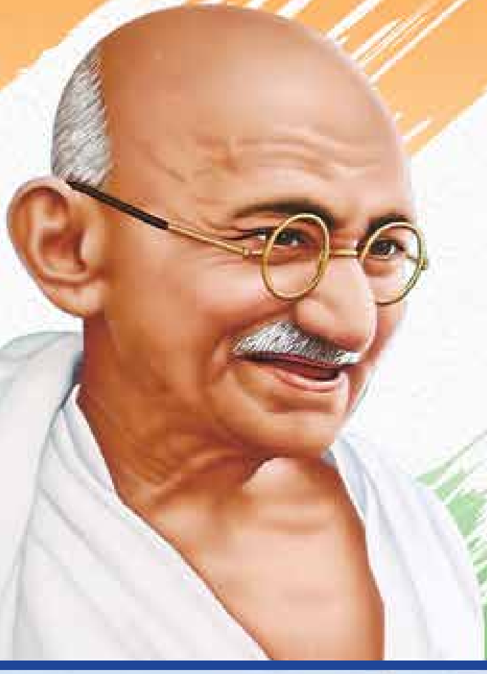

कनेक्ट

वर्ष .- 5, अंक -8 अगस्त 2019

दिल्ली में एमजीएनसीआरई मेम्बर सेक्रेटरी श्री पी मुरली मनोहर माननीय मानव संसाधन मंत्री श्री रमेश पोखरियाल के साथ चर्चा करते हुए।

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक के अनुसार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2019 के मसौदे पर 77,000 से अधिक टिप्पणियां और पत्र प्राप्त हुए। MGNCRE ने भी इस पहल में भाग लिया है और एक कार्यशाला का आयोजन करके NEP की प्रतिक्रिया और मूल्यांकन में योगदान दिया है और देश भर के अपने संकाय विकास कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में शिक्षाविदों से इनपुट भी ले रहा है।

20 और 21 जुलाई — ग्रामीण शिक्षा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन - विकासशील पेशेवर युवा

एमजीएनसीआरई ने ग्रामीण प्रबंधन पर संसाधन सामग्री और संकलित पुस्तकों का निर्माण किया है। डॉ ए पी मित्तल और प्रो हितेश भट्ट द्वारा औपचारिक रूप से पुस्तकों का विमोचन किया गया।

आईसीएसएसआर-एसआरसी उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन विभिन्न स्तरों पर ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा में विस्तार, मानकीकरण और सुधार के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए संस्थानों, शिक्षाविदों, पेशेवरों और अन्य प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाने का प्रयास करता है। सम्मानित अतिथि डॉ वीरेंद्र कुमार मल्होत्रा सदस्य सचिव **ICSSR**, डॉ आलोक प्रकाश मित्तल सदस्य सचिव **AICTE**, और प्रोफेसर हितेश भट्ट निदेशक ग्रामीण प्रबंधन संस्थान **(IRMA)** मौजूद रहे। 15 प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की व्यक्तिगत भागीदारी और योगदान ने विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए ज्ञान का अभ्यास करने में मदद की। एमजीएनसीआरई अध्यक्ष ने सम्मेलन के उद्देश्यों और ग्रामीण प्रबंधन में बीबीए पाठ्यक्रम की आवश्यकता के बारे में बात की। उन्होंने एमजीएनसीआरई की उपलब्धि की भावना व्यक्त की, जिसे मंत्रालय द्वारा ग्रामीण प्रबंधन पर एमओओसीएस पाठ्यक्रम भी सौंपा गया था। उन्होंने एकत्रित शिक्षाविदों से समर्थन और प्रोत्साहन का आह्वान किया क्योंकि उनका योगदान भारत में ग्रामीण प्रबंधन को सफल बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। डॉ वीरेंद्र कुमार मल्होत्रा के सदस्य सचिव आईसीएसएसआर ने कहा, "ग्रामीण प्रबंधन के लिए पाठ्यक्रम विकास की महती आवश्यकता है। महात्मा गांधी हमेशा गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की बात करते थे। भारत का विकास हुआ है लेकिन ग्रामीण भारत की अनदेखी की गई। हमें उन शोधों को आगे बढ़ाने और "उन्नत भारत" निर्माण की आवश्यकता है, जिनका हम सपना देख रहे हैं। ग्रामीण जनता को सशक्त बनाना होगा और उनकी क्षमताओं में सुधार करना होगा। एमजीएनसीआरई की यह पहल सही समय पर आई है और हम सभी को इसका सदुपयोग करने की जरूरत है। डॉ ए पी मित्तल सदस्य सचिव एआईसीटीई ने कहा कि, "ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण लोगों को संचार कौशल प्रदान करने की आवश्यकता है। रूरल मैनेजमेंट के और भी कोर्स अधिक जागरूकता लाएंगे, तकनीकी शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। व्यक्तिगत विकास भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण प्रबंधन क्षेत्र में एमजीएनसीआरई के प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। हमें उम्मीद है कि यह सही

बदलाव, जागरूकता और ग्रामीण विकास लाएगा। प्रो हितेश भट्ट निदेशक ग्रामीण प्रबंधन संस्थान (IRMA) ने एमजीएनसीआरई और टीम को अच्छी तरह से संचालित दृष्टिकोण के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र को सशक्त बनाना और एंड-टू-एंड समाधान के साथ जमीनी स्तर पर पहुंचना महत्वपूर्ण है। लक्ष्य के अंत तक काम करने से ही सक्षम नेता और सूत्रधार निर्मित होता है। सरकार की ओर से कैट के बजाय ग्रामीण प्रबंधन कॉलेजों में प्रवेश के लिए आरएमएटी परीक्षा आयोजित करने का प्रावधान हो सकता है। प्रतिभागियों ने बीबीए इन रुरल मैनेजमेंट कोर्स की आवश्यकता को सराहा। उन्होंने अपने संबंधित संस्थानों में कार्यशालाएं और एफडीपी आयोजित करने तथा ग्रामीण प्रबंधन के लिए ज्ञान की एक संस्था बनाने और ग्रामीण प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रचार के लिए काम करने का आश्वासन दिया।

रुरल इमर्शन मैनेजमेंट पर राष्ट्रीय सम्मेलन - सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना

13 और 14 जुलाई

रुरल इमर्शन मैनेजमेंट पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन - भारत के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एएससीआई) हैदराबाद में आयोजित सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना, कार्यान्वयन योग्य तैयारी सहित यूबीए के तहत आरसीआई के साथ काम करने वाले प्रतिभागी संस्थानों (पीआई) के क्षमता निर्माण की दिशा में काम करना था। प्रतिभागियों को दो गांवों में ले जाया गया - दो समूहों में कामेट्टा और गोलगुडा। ट्रांज़ेक्ट वॉक में उन्होंने सरपंच, ग्रामीणों और सरकारी स्कूल के छात्रों के साथ बातचीत की। ग्रामीणों के साथ प्रतिभागियों ने रिसोर्स मैप बनाया। असंरचित साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से भागीदारी मूल्यांकन तकनीक लागू कर सकते हैं। उन्होंने अपने संबंधित संस्थानों में एफडीपी और रुरल इमर्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम्स (RITPs) आयोजित करने का आश्वासन दिया। पहचान की आवश्यकता के लिए PRA / PLA तकनीकों की आवश्यकता की सराहना की गई तथा रुरल इमर्शन मैनेजमेंट हेतु ज्ञान की एक संस्था बनाने के लिए सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता शामिल थे।

उन्नत भारत अभियान (UBA) के तहत चुनौतियों, आकांक्षाओं और दृष्टि को समझने के उद्देश्य पर केंद्रित है और महिलाओं के लिए हरसंभव रणनीति, योजनाएं, सशक्तिकरण, जल संरक्षण, सफाई व स्वच्छता, कृषि आधारित तकनीकी हस्तक्षेप, शिक्षा और आजीविका। सम्मेलन में सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में काम करने वाले देश भर के क्षेत्रीय समन्वय संस्थानों (RCI) के प्रतिभागी थे। बुद्धिशीलता सत्र और बातचीत तथा क्षेत्र दौरा भी शामिल था। आरसीआई (RCI), उन्नत भारत अभियान में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाती है। इसका उद्देश्य

रुरल इंगेजमेंट विथ पार्टीसीपेटरी लर्निंग एंड एक्शन पर राष्ट्रीय सम्मेलन

6 और 7 जुलाई

रुरल एंगेजमेंट विथ पार्टीसीपेटरी लर्निंग एंड एक्शन पर राष्ट्रीय सम्मेलन मानव संसाधन विकास केंद्रों (एचआरडीसी) के 20 प्रतिभागियों के लिए इस राष्ट्र के भविष्य को आकार देने का एक बड़ा अवसर था। प्रो गोपाल रेड्डी सी, सदस्य यूजीसी मुख्य अतिथि थे, जबकि हैदराबाद के डॉ वाई नरसिंहुलु, निदेशक एचआरडीसी हैदराबाद विश्वविद्यालय और डॉ गीता सिंह, निदेशक एचआरडीसी सीपीडीएचई दिल्ली विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता रहे। प्रतिभागियों ने सामुदायिक जुड़ाव पर एमजीएनसीआरई (MGNCRE) के काम की सराहना की। शहरी प्रवास, ग्रामीण कारीगरों के जुड़ाव व उनके रोज़गार सहित कई ग्रामीण मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने महसूस किया कि ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने में एचआरडीसी की भूमिका रही है। शिक्षा क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के नए तरीकों के साथ नए संकाय की आवश्यकता के लिए आग्रह किया - इंटरैक्टिव और फील्ड इंगेजमेंट दोनों पर आधारित। पहले दिन एचआरडीसी के निदेशकों के लिए एक फील्ड विजिट की व्यवस्था पुड्डूर मेडचल मंडल रंगारेड्डी जिले में की गई। इस गाँव में बातचीत ने प्रतिभागियों को प्राथमिक और माध्यमिक अनुसंधान डेटा और अनुभवों का विश्लेषण और त्रिकोण प्राथमिकी तथा वैकल्पिक सामुदायिक जुड़ाव और शिक्षा में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करने की अनुमति दी। गतिविधियों में सहभागिता तकनीक का उपयोग करके ट्रांस वॉक और रिसोर्स मैपिंग तकनीक शामिल थे। सीखने के परिणामों को प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक साझा किया गया और कार्यान्वयन के लिए आगे बढ़ने के रास्ते की रूपरेखा दर्शाई गई।

अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, पर्यटन सचिव, तेलंगाना श्री वेंकटेशम के साथ, साथ में श्री यागनिक, विशेषज्ञ, गांधी संग्रहालय, बापू घाट हैदराबाद में नई तालीम प्रायोगिक शिक्षण गतिविधि को बढ़ावा देते हुये - 30 जुलाई

एमजीएनसीआरई की ई-लर्निंग पहल का एक भाग, वरिष्ठ प्रशिक्षक डॉ अनिल दुबे ने डॉ दिव्या मित्तल, आईएएस वाइज़ प्रेसिडेंट ऑफ बरेली डेवेलपमेंट अथॉरिटी के साथ एक वीडियो रिकॉर्डिंग सत्र आयोजित किया और "स्वच्छता प्रबंधन" पर गोंडा में अपना व्याख्यान दर्ज किया - 10 जुलाई

एफडीपी के तहत ग्रामीण अनुबंध और सामुदायिक जुड़ाव, द्रविडियन यूनिवर्सिटी आंध्र प्रदेश ने 2 गांवों में 2 पानी की टंकियां (पालचिंतलापल्ली और जोगिंदलु गुदुपल्ली मंडल) स्थापित कीं - 7 जुलाई को कुलपति प्रो सुधाकर येदला द्वारा उद्घाटन।

संपादक की टिप्पणी

ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षणिक क्षेत्रों से जुड़े अनुभवी सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान को बखूबी देखा गया है। अब एमजीएनसीआरई का मानना है कि यह देश भर के पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर ग्रामीण प्रबंधन साझेदारी के तालमेल और विस्तार का समय है। समावेशी विकास के लिए बाधाओं से ऊपर उठने और ग्रामीण संसाधनों का एक प्रभावी प्रबंधन बनाने की तत्काल आवश्यकता है। ग्रामीण प्रबंधन शिक्षा पर तीन राष्ट्रीय सम्मेलन, रुरल - सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना और भागीदारी सीखने और कार्य के साथ ग्रामीण जुड़ाव सफलतापूर्वक सीखने के उच्च परिणामों के साथ संपन्न हुए। प्रतिभागियों में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, एचआरडीसी निदेशक और यूबीए समन्वयक, आरसीआई के प्रतिष्ठित शिक्षाविद शामिल थे। ग्रामीण भारत को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त और पर्याप्त ग्रामीण प्रबंधन विशेषज्ञता की आवश्यकता है, क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। MGNCRE के लिए ग्रामीण शिक्षा दिल के बहुत करीब रही है। आईआरएमए के मजबूत समर्थन के साथ, हमने ग्रामीण प्रबंधन पर पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम विकसित किया है, जिसे एआईसीटीई के साथ साझा किया गया है, जिसमें उन्नाव भारत अभियान (यूबीए) के साथ उच्च शैक्षणिक संस्थानों को शामिल किया गया है, गांवों में बदलाव हो रहे हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने पहले ही IRMA के सहयोग से MGNCRE द्वारा विकसित रूरल मैनेजमेंट पर कोर्स शुरू कर दिया है। इस पाठ्यक्रम में देश भर में रुचि है। पाठ्यक्रम को IRMA, KSRM, ICFAI और MGNCRE टीम के शिक्षाविदों ने तैयार किया है। मंत्रालय द्वारा देश में गांवों के साथ HEI को जोड़कर उन्नत भारत अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक अन्य क्षेत्र सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने में एक MOOCS पाठ्यक्रम विकसित कर रहा है। मैं यूबीए कार्यक्रम के साथ इस शैक्षणिक पाठ्यक्रम की वकालत कर रहा हूं जो बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है। सामुदायिक व्यस्तता का वर्तमान परिदृश्य ग्रामीण पर्यटन है, न कि ग्रामीण तकनीक। सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, यूजीसी ने एक पाठ्यक्रम ढांचा विकसित किया है। लेकिन इसमें पाठ्यक्रम के ढांचे में सामाजिक जिम्मेदारी का एक गायब लिंक है। हम इस पाठ्यक्रम को यूजीसी पाठ्यक्रम के सभी पहलुओं को छूने वाले कुछ पाठ्यक्रम सामग्रियों में एकीकृत करेंगे। यह भागीदारी संस्थानों में एफडीपी के लिए आधार होगा। वर्तमान में, पाठ्यक्रम में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, ग्रामीण नीति, ग्रामीण समाज, अंतर्निर्भरता और प्रौद्योगिकी शामिल हैं। ज्ञान, दृष्टिकोण और कौशल के संदर्भ में, ज्ञान जरूरी कौशल और दृष्टिकोण के लिए नेतृत्व नहीं करेगा। पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल समुदाय के बारे में जागरूकता पैदा करना है, बल्कि सामुदायिक जुड़ाव गतिविधियों को अपनाकर क्षेत्र में क्रियान्वयन को बढ़ावा देना है। हमारे पास व्यक्तिगत स्तर, समूह स्तर, फ़ील्ड स्तर, कक्षा स्तर और कौशल विकसित करने वाली संस्थाओं के साथ सम्मेलन कक्ष स्तर पर दर्ज किए गए वीडियो केस स्टडीज और पेपर केस स्टडीज हैं। विश्वविद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों द्वारा ग्रामीण सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में चुनौतियों के समाधान के लिए प्रत्येक मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) की भागीदारी और योगदान अमूल्य है। हम भाग लेने वाले HRDC द्वारा आयोजित विभिन्न संकाय विकास कार्यक्रमों में इन पहलुओं को शामिल करने के लिए संसाधन सामग्री, रिसोर्स पर्सन्स और लॉजिस्टिक सपोर्ट के साथ सभी भाग लेने वाले संस्थानों का समर्थन करना चाहते हैं। HRDC अपने श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में जनशक्ति विकास की एक रणनीतिक सर्वोच्च संस्था के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अब यह माना जाता है कि विभिन्न एचआरडीसी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों को अपने पड़ोस में स्थानीय समुदायों और गांवों से जुड़ने की जरूरत है। यूजीसी ने हाल ही में विश्वविद्यालयों / उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए उन समुदायों के साथ जुड़ने की आवश्यकता दोहराई है जिन्हें हमें सहानुभूति बनाने, संबंध बनाने और उपलब्ध समृद्ध अनुभव लेने की आवश्यकता है। चैंपियंस ऐसे लोग होते हैं जो बहुत त्याग करते हैं। हमें बदलाव की वजह बनना होगा। रुचि को भीतर से उत्पन्न करने की आवश्यकता है। यदि हम वास्तव में रुचि रखते हैं, तो हम एक साथ कई आश्चर्यजनक कार्य कर सकते हैं। नाजुक या मुश्किल हालात इसमें मायने नहीं रखता।

डॉ डबल्यू जी प्रसन्ना कुमार
अध्यक्ष एमजीएनसीआरई

महात्मा गांधीजी की 150 वीं जयंती है। गांधीजी ने शिक्षा के तरीके पर जोर दिया जहां छात्र काम के माध्यम से सीखता है। शिक्षा की वर्धा योजना भी इसकी पैरवी करती है। शिक्षा पर नई राष्ट्रीय नीति में अनुभवात्मक अधिगम को अनिवार्य बनाने के तत्व भी हैं। उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार से ही नहीं है बल्कि जीवन, ज्ञान और उच्च शिक्षा से भी जुड़ा है। इंटर्नशिप लोकप्रिय हो रहे हैं। समुदाय के बारे में जानना और समुदाय के लिए कुछ करना थोड़ा अलग है। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में उन विषयों को शामिल करने की आवश्यकता होती है जिनमें सामान्य हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। हमें संस्थानों की वास्तविक भागीदारी की आवश्यकता है। जो भी ज्ञान हम गाँव में पैदा कर रहे हैं वह सीखने के उद्देश्य से हमारे लिए एक स्रोत बन सकता है। अलग-अलग पहलू हैं जो अनुसंधान विचारों से उठाए गए पाठ्यक्रमों में जा सकते हैं जो अनुसंधान इंटरैक्शन से भी बनाए जा सकते हैं।

इस महीने आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलनों में ग्रामीण प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह जानकर खुशी हो रही है कि MGNCRE UBA के लिए अपने काम के हिस्से के रूप में रूरल मैनेजमेंट और कम्युनिटी एंगेजमेंट पर MOOCS कोर्स का निर्माण करेगा। हम में से कुछ इस क्षेत्र में काफी समय से काम कर रहे हैं और प्रभावी ढंग से समुदायों को संभाल रहे हैं। हम छात्रों को संभाल सकते हैं और मूलभूत स्तर पर छात्रों की चिंताओं को दूर कर सकते हैं। हमें हर समय कुशल और कुशलतम होते रहना होगा।

जैसा कि आप जानते हैं, भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों को समावेशी भारत के लिए आत्मनिर्भर और सतत गांव समूहों के स्वदेशी विकास में शामिल करने के लिए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) का एक प्रमुख कार्यक्रम है। मुझे मंत्रालय के शब्दों में घोषणा करने में बहुत खुशी मिलती है - "मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि "उन्नत भारत अभियान" योजना के तहत, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (MGNCRE) को "सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा" विषय पर छात्रों और प्रशिक्षक दोनों के लिए MOOCs पाठ्यक्रम तैयार करने और चलाने का काम सौंपा जा सकता है। यूजीसी ने पहले ही इसी विषय पर क्रेडिट पाठ्यक्रम को मंजूरी देने के लिए कदम उठाए हैं। इसलिए, यह वांछित है कि, एमजीएनसीआरई, यूजीसी के साथ समन्वय करेगा और यूजीसी अनुमोदित क्रेडिट पाठ्यक्रम पर MOOCs पाठ्यक्रम तैयार करेगा और इसे स्वयं (SWAYAM) पोर्टल में चलाएगा। यह अनुरोध किया गया है कि उक्त पाठ्यक्रम तैयार किया जाए और इसे जल्द से जल्द स्वयं (SWAYAM) मंच पर चलाया जाए।" ग्रामीण शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव के हमारे लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, MGNCRE इस क्षेत्र में काफी प्रगति कर रहा है। शैक्षिक नियोजन को ग्रामीण भारतीय जनता को ध्यान में रखकर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। सामुदायिक जुड़ाव को शिक्षा के सभी स्तरों पर केंद्रित और बढ़ावा देने की ज़रूरत है।

डॉ भरत पाठक
उपाध्यक्ष एमजीएनसीआरई

सातवाहना यूनिवर्सिटी कारीमनगर - 28 जून - 4 जुलाई

कैरियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल एसयू करीमनगर द्वारा आयोजित, रुरल इमर्शन एंड कम्यूनिटी इंगेजमेंट पर एफडीपी का उद्घाटन मुख्य अतिथि, माननीय रजिस्ट्रार, एसयू प्रो उमेश कुमार के द्वारा किया गया। व्यवसाय प्रबंधन विभाग के प्राचार्य डॉ ई मनोहर ने एफडीपी का अवलोकन किया। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो टी भारत डीन, सीडीसी प्रिंसिपल यूसीसीबीएम एसयू ने एफडीपी सामग्री की सराहना की कहा कि यह 35 प्रतिभागियों के लिए एक बेहतरीन शिक्षा गतिविधि एमजीएनसीआरई प्रशिक्षक, बी झांसी रानी ने गतिविधि का समन्वय किया। ग्राम कोकेरा कुंटा व रामादुगु, करीमनगर की यात्रा के दौरान अनेक पीआरए / पीएलए विधियों पर चर्चा की गई। शिक्षा विभाग / विश्वविद्यालय परिसर में प्रतिभागियों द्वारा ट्रांजेक्ट वॉक किया गया।

KKHSOU गुवाहाटी - 2 - 6 जुलाई

प्रायोगिक शिक्षण-नई तालीम और ग्रामीण समुदाय जुड़ाव पर 5-दिवसीय एफडीपी का आयोजन कृष्णा कांता हँडिकी स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (केकेएचएसओयू) गुवाहाटी द्वारा विश्वविद्यालय के मुख्यालय में 2 से 6 जुलाई तक विभिन्न विभागों के 23 संकाय सदस्यों के साथ MGNCRE के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ रितिमोनी बोरदोलोई ने विश्वविद्यालय में एफडीपी के संचालन के पीछे के उद्देश्यों को समझाया। मुख्य अतिथि डॉ उमेश चंद्र सरमा, पूर्व कुलपति, श्रीमंता शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, गुवाहाटी ने शिक्षार्थियों के साथ अधिक साझेदारी और अधिक समृद्ध करने के लिए सभी मापदंडों में ज्ञान के संदर्भ में शिक्षकों के अद्यतन होने के महत्व पर प्रकाश डाला। केकेएचएसओ के निदेशक एन.एन. सरमा ने व्यक्त किया कि अनुभवात्मक अधिगम, ग्रामीण सामुदायिक जुड़ाव और नई तालीम हमें नई शिक्षण पद्धतियों को आंतरिक बनाने और उन्हें पुनर्जीवित करने की बहुत गुंजाइश देगा। उन्होंने कहा कि जब हम विश्वविद्यालय में समयबद्ध तरीके से काम करते हैं, तो हमारे स्वयं के संदर्भ में अनुभवात्मक अधिगम अत्यंत महत्वपूर्ण है। सीनियर फैकल्टी दिलीप चक्रवर्ती ने एमजीएनसीआरई का प्रतिनिधित्व किया। 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर भी चर्चा की गई। एक समूह आधारित गतिविधि आयोजित की गई जिसमें शिक्षकों को उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के तरीकों को सूचीबद्ध करना था और उसके बाद एक उपयोगी चर्चा हुई। चौथे दिन, संकाय सदस्यों को विश्वविद्यालय के गोद लिए गाँव हनापारा में एक फील्ड विजिट के लिए ले जाया गया।

योगी वमना विश्वविद्यालय कडप्पा - 2 - 6 जुलाई

ग्रामीण मग्नता और सामुदायिक सहभागिता पर एफडीपी की अध्यक्षता योगी वमना विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल के समन्वयक डॉ ए मधुसूदन रेड्डी ने की। प्रो अट्टिपल्ली रामचंद्र रेड्डी कुलपति और मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे बौद्धिक लोगों को समाज के बारे में सोचने की जरूरत है और ग्रामीण क्षेत्रों और उनके मुद्दों के बारे में ज्ञान को अद्यतन करने की आवश्यकता है। गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो एम रामकृष्ण रेड्डी, रेक्टर ने सभा को संबोधित किया और सूखे की स्थिति और बुनियादी जरूरतों जैसे ग्रामीण मुद्दों पर प्रकाश डाला। प्रो जी संबाशिवा रेड्डी प्रिंसिपल ने सभा को संबोधित किया और समाज के निर्माण में इतिहास की भूमिका को याद किया। एमजीएनसीआरई के प्रशिक्षक डॉ बी दिवेकर और एम साईकिरण कार्यक्रम के क्रमशः रिसोर्स परसन व समन्वयक थे। तेलंगाना राज्य के गंगादेवीपल्ली मॉडल गाँव की एक फिल्म प्रतिभागियों को ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान के लिए प्रेरित करने के लिए दिखाई गई थी। 30 प्रतिभागियों ने उस फिल्म से सीखने के बिंदु साझा किए। शिवाजी नगर गाँव, चिंतामम्मा दिनना मंडल, कडप्पा जिले में ग्राम यात्राओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों ने अपने समूहों के अनुसार प्रतिभागियों से प्राप्त जानकारी पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

IASE उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद - 2 - 6 जुलाई

प्रो एम रामादेवी प्राचार्य और डॉ विवेकानंद रेड्डी, एचओडी शिक्षा विभाग ने नई तालीम कार्य शिक्षा और शिक्षकों और छात्र शिक्षा के लिए प्रायोगिक शिक्षण पर एफडीपी का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने 36 प्रतिभागियों से एफडीपी में सक्रिय रूप से भाग लेने और समुदाय सगाई पाठ्यक्रम के साथ आने का आग्रह किया, जिससे राज्य के छात्रों को लाभ होगा। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्षमता, विश्वास निर्माण, सहिष्णुता और कौशल के इर्द-गिर्द घूमते हुए ग्रामीण समुदाय की व्यस्तता का स्वागत किया गया। संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने पर भी चर्चा हुई ताकि पाठ्यक्रम में सामुदायिक सहभागिता को एकीकृत किया जा सके। एमजीएनसीआरई के संकाय रमेश वाविला ने कार्यक्रम का समन्वय किया। गाँव की यात्रा के तहत, प्रतिभागियों ने मलकापुर गाँव का दौरा किया। वरिष्ठ फैकल्टी डॉ फराह बेगम और श्री के के रायलू ने भी कार्यक्रम में अपने इनपुट्स दिए।

एरिस्टोटल पीजी कॉलेज ऑफ मैनेजमैंट मोइनाबाद तेलंगाना - 8 से 12 जुलाई

प्रिंसिपल डॉ एल श्रीनिवास रेड्डी ने FDP का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ इस विस्तार का स्वागत किया। रमेश वाविला एमजीएनसीआरई फैकल्टी ने 5 दिन की एफ़डीपी की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों को साझा किया। श्रीमती सुकन्या एचओडी प्रबंधन, डॉ शकर और डॉ सुंदरम वरिष्ठ संकाय ने उद्घाटन किया। 25 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के अनुसार पहले सत्र में अपना परिचय दिया, जिसके बाद उन्नत भारत अभियान पर एक वीडियो आया। इसके बाद समूहों में काम करने वाले प्रतिभागियों ने अपने पाठ्यक्रमों और उसके परिणामों में वर्तमान समुदाय जुड़ाव की

पहलों को सूचीबद्ध किया। प्रतिभागियों ने समूहों में काम किया और अपने पाठ्यक्रमों के लिए प्रासंगिक ग्रामीण समुदाय जुड़ाव के पाठ्यक्रम की समीक्षा की व अपनी प्रतिक्रिया तथा सुझाव साझा किए। प्रतिभागियों ने अपनी भागीदारी सीखने के रूप में सुरंगल और मुर्तुजागुडा गांवों का दौरा किया।

एसएनडीटी मुंबई - 12 से 16 जुलाई

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय मुंबई में नई तालीम और प्रायोगिक

शिक्षा पर 5-दिवसीय एफडीपी का उद्घाटन डॉ। दीपक देशपांडे रजिस्ट्रार द्वारा किया गया था। डॉ मीना प्रकाश कुटे प्रधानाचार्य और डॉ प्रज्ञा वाकपंजीर एचओडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने उद्घाटन सत्र आयोजित किया। प्रभाकर बानला एमजीएनसीआरई सीनियर फैकल्टी ने कार्यवाही का समन्वय किया। प्रतिभागियों ने 113 साल पुराने सरकारी स्कूलों का दौरा किया। कॉलेज ऑफ एजुकेशन और अनुभवात्मक शिक्षण और कार्य शिक्षा पर गतिविधियों का संचालन किया। कण्ठपालों ने ठाणे जिले के शाहपुर तालुका में लगभग 120 किमी दूर एक गाँव 'कसारा' का दौरा किया। वे सरपंच और वार्ड सदस्यों से मिले और बातचीत करते हुए गाँव में पीआरए / पीएलए तकनीकों का इस्तेमाल किया। ट्रांजेक्ट वॉक के दौरान उन्होंने ग्रामीणों का साक्षात्कार लिया। प्रतिभागियों ने अपनी शिक्षा गोबी कॉलेज, धोबी तलाओ (मुंबई) और बीएड के छात्रों द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में अपनी प्रस्तुति दी। सायन (पश्चिम) में स्थानीय निजी सहायता प्राप्त प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय साधना विद्यालय का दौरा किया गया। यह स्कूल ज्यादातर धारावी इलाके (एशिया का सबसे बड़ा स्लम एरिया) से सटे छात्रों को पूरा करता है, जो स्कूल से सटे हुये हैं।

दिगंबर जैन कॉलेज बरौत उत्तर प्रदेश - 13 से 17 जुलाई

दिगंबर जैन कॉलेज में एफडीपी, चौ चरण सिंह विश्वविद्यालय, नई तालीम प्रायोगिक शिक्षा और सामुदायिक जुड़ाव पर मेरठ, गांधीजी की नई तालीम की दृष्टि और दर्शन को समझने, कौशल और ज्ञान प्राप्त करने और 'तीन एच' के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों में भाग लेने के माध्यम से प्रभावित करने पर केंद्रित है। 27 प्रतिभागी उपस्थित रहे, प्रो पी के मिश्रा, डीन, शिक्षा डीन विभाग, सीसीएसयू मेरठ मुख्य अतिथि थे, जबकि डॉ अनिल कुमार दुबे एमजीएनसीआरई सीनियर फैकल्टी ने कार्यवाही का समन्वय किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ वीरेंद्र सिंह डी.जे. कॉलेज के द्वारा किया गया। आयोजन सचिव डॉ किरण गर्ग थीं। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ शिखा चतुर्वेदी एचओडी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ N.A.S. डिग्री कॉलेज मेरठ, डॉ सुधीर प्रो जेएनयू दिल्ली, और डॉ डी के जैन प्रबंधन समिति प्रमुख डॉ एम के मुछाल ने कहा "गांधीजी एक व्यक्तित्व नहीं थे, बल्कि स्वयं में एक दर्शन थे - अध्यापक को मेघ नहीं माली बनना है। "खेरकी गांव में एक गांव का दौरा आयोजित किया गया था। पूरे गाँव का एक नक्शा प्रायोगिक शिक्षा का वास्तविक अर्थ जानने के इरादे से तैयार किया गया था। सभी प्रतिभागियों ने प्रत्येक समूह को दिए गए अध्याय के आधार पर एनईपी 2019 पर एक रिपोर्ट तैयार की। फिर राष्ट्रीय

शिक्षा नीति 2019 पर आधारित एक प्रस्तुति सभी 5 समूहों द्वारा उनके दिए गए अध्यायों को प्रस्तुत किया गया।

आर आर पी जी कॉलेज अमेठी - 19 - 25 जुलाई

डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध नई तालीम एक्सपेरिमेंटल लर्निंग और कम्युनिटी एंगेजमेंट पर 27 प्रतिभागियों के साथ रणवीर रणंजय पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज अमेठी, उत्तर प्रदेश में 7-दिवसीय एफडीपी आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि प्रोफेसर आरआरपीजी कॉलेज के फैकल्टी प्रो नागेंद्र कुमार थे, जबकि समन्वयक डॉ त्रिवेणी सिंह प्राचार्य और डॉ संतोष कुमार सिंह थे। एमजीएनसीआरई सीनियर फैकल्टी प्रोफेसर अनिल कुमार दुबे ने कार्यवाही का समन्वय किया।

'शिक्षण कार्य को सुगम बनाएं'

प्रतिभागियों को ग्रामीण समुदाय की ताकत और कमजोरियों को समझने और सामुदायिक जुड़ाव पर विचारों को साझा करने के लिए विभिन्न रुरल इमर्शन गतिविधियों में भाग लेने के बारे में बताया गया। मुख्य अतिथि ने नई तालीम की 3H अवधारणा पर बात की। उन्होंने कहा कि गांधीजी का दर्शन सभी दर्शन का मूल है। उन्होंने 3R से 7R तक शिक्षा के परिवर्तन पर जोर दिया। गाँव की यात्रा के उद्देश्य से चयनित गाँव सरवनपुर, अमेठी था। गाँव पहुँचने पर प्रतिभागियों ने विभिन्न गतिविधियों, बुनियादी ढांचे, कृषि, व्यवसायों, व्यवसायों, कृषि की सफलता, शिक्षा की सफलता, स्वास्थ्य और स्वच्छता के स्रोत, स्वच्छता के स्रोतों और इज्जत घर की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने अपने तैयार उपकरणों (प्रश्नावली) का उपयोग करके साक्षात्कार लिया और उसके बाद ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालयम तिरुपति - 23 से 27 जुलाई

एफडीपी का उद्घाटन 33 प्रतिभागियों के साथ मुख्य अतिथि प्रो के मुरगैया डीन सामाजिक विज्ञान के साथ-साथ प्रो टी जी अमुथवल्ली, एचओडी, शिक्षा विभाग द्वारा किया गया था।

एमजीएनसीआरई प्रशिक्षक एम किरण और नवीन कुमार ने गतिविधि का संचालन किया। डॉ एन अनुराधा, डॉ वी माधवी, डॉ वाई अनीता और डॉ टी सीरेशा वरिष्ठ प्रशिक्षक रहे, जबकि डॉ जी सुनीता बाई संयोजक रहीं। राम राजा बी.एड कॉलेज में फील्ड विजिट की गई।

एमजीयू सूर्यापेट - 27 से 31 जुलाई

यूबीए-रूरल इमर्शन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट पर एफडीपी का आयोजन श्री वेंकटेश्वर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सूर्यपेट (MGU से संबद्ध) में 15 सरकारी डिग्री और पीजी कॉलेजों से 27 प्रतिभागियों के साथ किया गया, जिसमें सूर्यापेट, कोदाड़, हुजूर नगर, इब्राहिमपटनम, नकेरेकल, मोठे और देवरकोंडा शामिल रहे।

मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटीउदयपुर राजस्थान - 27 से 31 जुलाई फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का उद्घाटन महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद 6 कनेक्ट प्रो सी आर सुथार अध्यक्ष फैकल्टी ऑफ़ एजुकेशन, MLSU उदयपुर द्वारा किया गया था। प्रोफेसर सी आर सुथार

ने एमएलएसयू, उदयपुर से संबद्ध विभिन्न शिक्षक शिक्षा संस्थानों के सभी 25 प्रतिभागी शिक्षक शिक्षकों का

स्वागत किया। एमजीएनसीआरई के वरिष्ठ फैकल्टी डॉ अनिल कुमार दुबे ने एग्जीक्यूटिव डेवलेपमेंट प्रोग्राम पर खुशी जाहिर की और कामना की कि, शिक्षा विभाग नई तालीम एजुकेटर्स के लिए संसाधन विकसित करने के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित हो। अल्पना सिंह, प्रमुख, शिक्षा विभाग, MLSU, उदयपुर संयोजक रहे।

ओयू कॉलेज ऑफ एजुकेशन - 23 से 27 जुलाई

उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद में एक एफडीपी का आयोजन शिक्षा विभाग में नई तालीम, प्रायोगिक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता पर किया गया था। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर ए रामकृष्ण प्राचार्य, डॉ.रविंद्रनाथ मूर्ति एचओडी और डॉ शहनाज बेगम बोस एजुकेशन ऑफ़ ओयू ने भाग लिया और वर्तमान समय के पाठ्यक्रम में नई तालीम, प्रयोगात्मक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। एमजीएनसीआरई के रिसोर्स पर्सन प्रभाकर बानला ने गतिविधि आधारित तकनीकी सत्र आयोजित किए। प्रतिभागियों ने एक समीक्षा के साथ गतिविधियों पर प्रस्तुतियां दीं और वर्तमान शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता बताई। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शंकर ने प्रतिभागियों को सलाह दी। तारामतीपेट गांव में फील्ड विजिट किया गया और प्रतिभागियों ने भारत के ग्रामीण समुदाय पर अपने विचार प्रस्तुत किए और एक आदर्श गांव पर एक विशिष्ट गांव में उपलब्ध सभी संभावित संसाधनों के साथ चार्ट तैयार किए। पीआरए / पीएलए को प्रस्तुत किया गया। रिसोर्स पर्सन श्रीमती संध्या द्वारा सुविधा प्रदान की गई। एमजीएनसीआरई एफ़डीपी के चौथे दिन प्रतिभागियों ने केसारा के पास गोधुमकुंटा गाँव में यूके कॉलेज ऑफ एजुकेशन का दौरा किया। प्रिंसिपल डॉ सुरेंद्र वर्मा ने बी एड थर्ड सेमेस्टर के छात्रों के साथ बातचीत की व्यवस्था की। इसके बाद छात्रों के चार समूहों के साथ गतिविधियाँ हुईं। उन्होंने कृषि भूमि में चार्ट तैयार करने और क्षेत्र का काम किया। प्रतिभागियों ने कॉलेज परिसर में स्वच्छता गतिविधि पर काम किया।

बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर सोनीपत - 26 - 31 जुलाई

बीपीएसएमवी खानपुर सोनीपत हरियाणा में ग्रामीण अनुबंध और सामुदायिक जुड़ाव पर 5-दिवसीय एफ़डीपी

एमएएनयूयू हैदराबाद - 29 जुलाई से 3 अगस्त

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद में नई तालीम प्रायोगिक शिक्षा और सामुदायिक अनुबंध पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एमजीसीजीवी चित्रकूट - 29 जुलाई से 2 अगस्त

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्व विद्यालय चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश में ग्रामीण अनुबंध और सामुदायिक सहभागिता पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

किसन पी जी कॉलेज बहराइच उत्तर प्रदेश - 30 जुलाई से 3 अगस्त

नई तालीम – अनुभावात्मक अध्ययन और शिक्षक शिक्षा पर संकाय विकास कार्यक्रम - किसन पी जी कॉलेज बहराइच उत्तर प्रदेश

तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय वेल्लोर 29 जुलाई - 2 अगस्त

माननीय कुलपति प्रो एस तेमारैसेलीवी मुख्य अतिथि थे जिन्होंने तिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय वेल्लोर में ग्रामीण समुदाय अनुबंध पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम की कार्यवाही का उद्घाटन किया। उन्होंने रूरल

कम्युनिटी एंगेजमेंट के प्रमुख कार्यक्रमों के महत्व पर बात की। उन्होंने 75 वर्षों में उच्च शिक्षा संस्थानों और भारत के लिए प्रशिक्षकों की भूमिका को महत्व दिया। उन्होंने प्रशिक्षकों से नागरिकों के कृषि और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। दो दिनों के लिए सेरकाडु में एक गांव का दौरा आयोजित किया गया था। एमजीएनसीआरई सीनियर फैकल्टी नवीन कुमार ने गतिविधि का समन्वय किया। गेस्ट ऑफ ऑनर प्रोफेसर वी पेरुवल्लुथी, रजिस्ट्रार रहे जिन्होंने किसानों और गांवों की वर्तमान स्थिति में समय की आवश्यकता और संकाय के लिए भागीदारी सीखने की गतिशीलता को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया। तमिल थिरुवल्लुवर विश्वविद्यालय के डॉ एम सैंथिलकुमार एनएसएस समन्वयक और एसोसिएट प्रोफेसर विभाग ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जीसीटीई पलामुरु विश्वविद्यालय महबूबनगर तेलंगाना, 30 जुलाई - 3 अगस्त

नई तालीम – अनुभवतमा अध्ययन पर महबूबनगर तेलंगाना के जी ओवरसीज कॉलेज में पर 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम।.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालजी, नागालैंड - 8 जुलाई से 10 जुलाई

एनआईटी नागालैंड के रजिस्ट्रार डॉ बिनोद डोली और निदेशक डॉ एस वेणुगोपाल ने 3 दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला में ग्रामीण क्षेत्रों के मुद्दों और चुनौतियों के प्रति प्रतिभागियों की संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसका उद्देश्य यूबीए, एनआईटी, नागालैंड के प्रतिभागियों और हितधारकों को प्रशिक्षित करना था। प्रतिभागियों ने शिक्षा, वित्तीय समावेशन योजनाओं और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मार्गदर्शन पर जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया। वे मैथ्स और साइंस विषयों में अधिक प्रयास चाहते थे, फलों की खेती और स्कूल छोड़ने के कौशल पर उद्यमशीलता। प्रतिभागियों ने ढांचागत महत्व वाले एक मॉडल गांव की संरचना के बारे में सीखा और अनुभव ने उन्हें गांव की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं को देखने का अवसर दिया। एमजीएनसीआरई रिसोर्स पर्सन सुश्री नुत्सुलु ने परिसर में अनुकरण की सुविधा दी और प्रत्येक टीम ने परिसर में पीएलए विधि और अनुकरण किया।

सीएमआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी 15 वीं - 16 जुलाई

मेजर डॉ वीए नारायण, प्रिंसिपल, सीएमआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने और सामुदायिक सहभागिता का एक अभ्यास विकसित करने का आग्रह किया जो छात्रों और इंजीनियरिंग के संकाय को लाभान्वित करेगा। PRA / PLA के उपयोग के मूल उद्देश्य पर 28 प्रतिभागियों को सुझाव दिये गए, जो मुख्य रूप से प्रतिभागियों की उचित और संरचित आवश्यकताओं के आकलन की क्षमता में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है, तथा जो गांवों में व्यवहार्य समाधान पेश करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रस्तुति के बाद का खंड सफलतापूर्वक पीएलए अभ्यास के लिए मार्ग का अनुसरण करता है। प्रतिभागियों को परिसर के चारों ओर एक ट्रांजेक्ट वॉक के लिए कहा गया था। टिप्पणियों को रिकॉर्ड किया गया और चित्र प्रदर्शन किया गया। उन्होंने पीएलए तकनीकों को लागू करने के लिए राजा बोल्लम गांव का दौरा किया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ एम सुरेश ECE CMRCET और श्रीमती डी सौजन्या समन्वयक CEER CMRCET ने FDP का समन्वय किया। एमजीएनसीआरई सीनियर फैकल्टी सरवानी पांडेय समन्वयक रहें। .

VJIT - 19 जुलाई - 20 जुलाई

29 फैकल्टी के साथ यूबीए - रूरल इमर्शन एंड कम्युनिटी एंगेजमेंट पर 2-दिवसीय वर्कशॉप का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री पी वेणुगोपाल रेड्डी डायरेक्टर द्वारा विग्नाना ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में किया गया और डॉ ए पद्मजा प्रिंसिपल और श्री गिरी प्रसाद गौड़ एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर द्वारा आयोजित किया गया। रमेश वाविला MGNCRE फैकल्टी कार्यक्रम समन्वयक थे। प्रतिभागियों ने समूहों में काम किया और अपने पाठ्यक्रमों के लिए प्रासंगिक ग्रामीण समुदाय सगाई के पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम की समीक्षा की और अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव साझा किए। इसके बाद प्रस्तुतियों और उनके विभाग के लिए अनुकूलन की समीक्षा की गई। प्रतिभागियों ने सामुदायिक जुड़ाव के लिए बकरम गांव का दौरा किया।

श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालयम तिरुपति - 22 जुलाई

एफडीपी से पहले 23 जुलाई को मानविकी ब्लॉक में शिक्षा विभाग के सेमिनार हॉल में 22 जुलाई को एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्घाटन सामाजिक विज्ञान के डीन डॉ के मौरगैया ने किया जिन्होंने शिक्षा के महत्व पर बात की। प्रो टी जी.अमुतवल्ली ने स्कूल शिक्षा में सह पाठ्यक्रम और उत्पादक गतिविधियों के महत्व पर बात की। कार्यक्रम समन्वयक डॉ जी.सुनीता बाई ने गांधी जी के दर्शन के सपनों को पूरा करने के लिए नई तालिम और संकाय विकास कार्यक्रम पर कार्यशाला के उद्देश्य और कौशल विकास के लिए इसके महत्व को बताया। एमजीएनसीआरई प्रशिक्षक साई किरण ने कार्यवाही का समन्वय किया।

UGC HRDC यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ बंगाल - 23 जुलाई - 25 जुलाई

ग्रामीण सामुदायिक उत्थान और ग्रामीण अनुबंध पर 3-दिवसीय कार्यशाला

UGC HRDC NBU दार्जिलिंग में विभिन्न कॉलेजों के 47 प्रतिभागियों के साथ आयोजित की गई। प्रोफेसर गंगोत्री चक्रवर्ती निदेशक एचआरडीसी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। दिलीप चक्रवर्ती वरिष्ठ संकाय एमजीएनसीआरई ने प्रो प्रतिभागियों को ग्रामीण जुड़ाव और नई तालीम के विचार के रूप में नई शिक्षा नीति के तहत परिकल्पित किया गया; प्रत्येक विषय को सामाजिक रूप से प्रासंगिक कैसे बनाया जा सकता है और इसे कैसे लागू किया जा सकता है, इस पर मंथन गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए; ग्रामीण विसर्जन विधियों (RITPs) के संचालन की समझ हासिल करने के लिए; और उच्च शिक्षा के संस्थानों की सामाजिक जिम्मेदारियों से संकाय को अवगत कराना। पोतिराम जोटे गांव की यात्रा बाढ़ के कारण जोखिम भरी थी। प्रतिभागियों ने ग्रामीणों के साथ बातचीत की और बाद में उनके सीखने के परिणामों को साझा किया।

एच.बी.बी.एड कॉलेज नवी मुंबई महाराष्ट्र - 17 जुलाई

कार्यशाला नई तालीम-प्रायोगिक शिक्षा पर आधारित थी। कार्यशाला की

मुख्य अतिथि डॉ सुनीता मगरे थीं। सुश्री लता पिल्लई विशेष अतिथि थीं। डॉ स्वर्णलता हरिचंदन प्राचार्य एच बी बीएड कॉलेज के संयोजक रहें। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों को समझाया। एमजीएनसीआरई के सीनियर फैकल्टी श्री प्रभाकर बानला ने कार्यवाही का समन्वय किया। डॉ सुनीता मगरे ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली में अनुभवात्मक अधिगम के महत्व पर बात की। 33 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर एक प्रश्नावली के लिए इनपुट भी दिए।

UGC HRDC कश्मीर विश्वविद्यालय श्रीनगर 17- 20 जुलाई

UGC-HRDC यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर ने MGNCRE के साथ मिलकर 83 वें जनरल ओरिएंटेशन कोर्स के प्रतिभागियों के लिए सामुदायिक जुड़ाव पर 3-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता कार्यवाहक कुलपति प्रो निलोफर खान ने की और एमजीएनएनआरईई फैकल्टी डॉ सैयद ज़हरा ने भी समन्वय किया। प्रो निलोफर खान ने शाब्दिक ज्ञान और प्रासंगिक प्रथाओं के बीच विभाजन को बढ़ाने और उच्च शिक्षा और सार्वजनिक जीवन के बीच दरार को ठीक करने पर जोर दिया। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस तरह की कार्यशालाएँ प्रशिक्षित ग्रामीण समुदाय के स्वयंसेवकों के सहयोग से शिक्षकों और छात्रों को भागीदारी ग्रामीण

सामुदायिक जुटाव, सेवा सहभागिता और सशक्तिकरण गतिविधियों के लिए व्यावहारिक अवसर प्रदान करेंगी। यूजीसी-एचआरडीसी, कश्मीर विश्वविद्यालय के निदेशक, प्रो शब्बीर अहमद भट ने कहा कि विश्वविद्यालयों को 'सार्वजनिक और जरूरतमंद जनता' के लिए काम करना होगा, जहां एक सार्वजनिक कार्य के लिए काम करना है और संस्था के अंदर और बाहर सभी की नागरिक एजेंसी, प्रतिभा और क्षमता विकसित करता है। इस कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा दो क्षेत्र का दौरा था। पहला दौरा 18.07.2019 को मीर बेहरी गाँव का था जो कश्मीर विश्वविद्यालय से 2-3 किलोमीटर दूर स्थित है। दूसरी यात्रा, बैतपोरा के वानी हामा की थी जो यूनिवर्सिटी से 4 - 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

एचआरडीसी ओस्मानिया यूनिवर्सिटी - 19 जुलाई

प्रोफेसर राम रेड्डी एचआरडीसी निदेशक ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों से कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लेने और सामुदायिक सहभागिता का एक अभ्यास विकसित करने का आग्रह किया, जिससे प्रशिक्षकों और छात्रों को लाभ होगा। उन्होंने सामुदायिक सहभागिता के महत्व के बारे में भी बताया। समर्थकों को PRA / PLA का उपयोग करने के मूल उद्देश्य के बारे में बताया गया, जो मुख्य रूप से प्रतिभागियों की उचित और संरचित आवश्यकताओं के आकलन की क्षमता में सुधार पर केंद्रित था, जो व्यवहार्य समाधानों की पेशकश के लिए महत्वपूर्ण है।

एचआरडीसी ओस्मानिया यूनिवर्सिटी - 17 और 18 जुलाई

एचआरडीसी उस्मानिया विश्वविद्यालय को 43 प्रतिभागियों के साथ ग्रामीण सामुदायिक जुड़ाव पर कार्यशाला के लिए आयोजन स्थल के रूप में चुना गया। प्रोफेसर राम रेड्डी एचआरडीसी निदेशक ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और एमजीएनसीआरई के साथ सहयोग का स्वागत किया। एचआरडीसी ओस्मानिया यूनिवर्सिटी के डॉ वेंकटेश ने भी कार्यशाला में भाग लिया। एमजीएनसीआरई रिसोर्स पर्सन श्रीमती सरवानी पांडे ने प्रतिभागी अध्ययन और क्रियान्वयन पर विस्तार से बात की। समर्थकों को PRA / PLA का उपयोग करने के मूल उद्देश्य के बारे में बताया गया, जो मुख्य रूप से प्रतिभागियों की उचित और संरचित आवश्यकताओं के आकलन में सुधार पर केंद्रित था, जो गांवों के लिए अनुकूल समाधानों की पेशकश करने के लिए महत्वपूर्ण है। कईबार गांव को ट्रांज़ेक्ट वॉक के लिए चुना गया। इस गाँव की सभी महिलाएँ स्वयं सहायता समूह (SHB) की सदस्य हैं। गाँव की यात्रा के मुख्य निष्कर्षों को बाद में कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया।

जेएनयू दिल्ली , 24 और 25 जुलाई

40 प्रतिभागियों के साथ यूजीसी एचआरडीसी जेएनयू दिल्ली में ग्रामीण समुदाय जुड़ाव और ग्रामीण अनुबंध पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर माधव गोविंद निदेशक एचआरडीसी शामिल थे। डॉ। मलखान सिंह समन्वयक HRDC, और डॉ कौशिक किशोर शर्मा समन्वयक HRDC मौजूद रहे जबकि रिसोर्स पर्सन एमजीएनसीआरई दिनेश पांडे रहे। भारत में ग्रामीण विकास और परिवर्तन के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझने के लिए उन्मुखीकरण था;

ग्रामीण संकट में ग्रामीण गरीबी, गतिशीलता और मुद्दों का अध्ययन और समझ; भारत में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का आकलन, उनकी कवरेज, रूपरेखा, तौर-तरीके और परिणाम; और ग्रामीण बुनियादी ढांचे की जरूरतों का अध्ययन।

जादवपुर विश्वविद्यालय यूजीसी-एचआरडीसी - 19 - 20 जुलाई

रूरल कम्युनिटी इंगेजमेंट पर ओरिएंटेशन प्रोग्राम जादवपुर यूनिवर्सिटी में एंटरप्राइज डेवलपमेंट इन्स्टिट्यूट / बंगाल नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, कोलकाता के साथ मिलकर आयोजित किया।

CPDHE UGC-HRDC - दिल्ली विश्वविद्यालय - 18 जुलाई

यूनिवर्सिटी प्रोफ़ेसर गीता सिंह डायरेक्टर एचआरडीसी, समन्वयक डॉ सचिन वशिष्ठ और डॉ विष्णु मोहन दास डॉ विष्णु मोहन दास के साथ 26 कम्युनिटीज़ के साथ रूरल कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड रूरल इमर्शन पर वर्कशॉप का आयोजन हुआ। कार्यशाला में सामुदायिक सेवाओं के महत्व को विस्तार से बताया गया।.

एस आर के कॉलेज ऑफ एजुकेशन रायचूर - 29 जुलाई

नई तालीम पर कार्यशाला - एस और आर के कॉलेज ऑफ एजुकेशन रायचूर के साथ मिलकर स्कूल और शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षा और कार्य शिक्षा का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो सुरेखा क्षीरसागर, डीन और एच.ओ.डी., गुलबर्गा विश्वविद्यालय कलबुर्गी द्वारा किया गया। डॉ बी दिवाकर वरिष्ठ प्रशिक्षक, एमजीएनसीआरई ने कार्यवाही का समन्वय किया। कार्यशाला में 30 प्रतिभागियों के साथ संकाय विकास कार्यक्रमों के संचालन पर चर्चा की ताकि राज्य में शिक्षा के सभी स्तरों पर नई तालीम को लागू किया जा सके।.

केरल विश्वविद्यालय 18 वीं - 19 जुलाई

एमजीएनसीआरई ने 2 दिवसीय ग्रामीण अनुबंध प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन एचआरडीसी केरल विश्वविद्यालय में एक एकीकृत कार्यक्रम के अंतर्गत किया।.

यही है नई तालिम - अनुभावात्मक अध्ययन

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद

उच्च शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

सत्यमेव जयते

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

5-10-174, शक्कर भवन, ग्राउंड फ्लोर, फ़तेह मैदान रोड, हैदराबाद, तेलंगाना - 500 004.

तेलंगाना राज्य. दूरभाष: 040-23422112, 23212120, फैक्स: 040-23212114 ई-मेल: editor@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org

संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यूजी प्रसन्ना कुमार, अध्यक्ष एमजीएनसीआरई, डॉ. डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया वी और शिवराम जी,

श्री पी मुरली मनोहर सदस्य-सचिव एमजीएनसीआर द्वारा प्रकाशित